>

Title: Need to develop Jabalpur in Madhya Pradesh as a tourist place of national importance.

**श्री राकेश सिंह (जबलपुर):** पर्यटन क्षेत्र आज देश में उद्योग का रूप ले चुका है। इससे स्थानीय स्तर पर आय की वृद्धि के साथ-साथ रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं जिनसे क्षेत्र के विकास की संभावनाएं अधिक हो जाती है। मेरा लोक सभा क्षेत्र जबलपुर मध्य प्रदेश का प्रमुख शहर है और भौगोलिक दृष्टि से देखा जाए तो देश का केन्द्र बिन्दु भी यहीं स्थित है। जबलपुर एवं इसके आस-पास अनेक पर्यटनीय महत्व के स्थल होने के बावजूद भी यह क्षेत्र पर्यटन की दृष्टि से पिछड़ा हुआ है। संगमरमरी पहाड़ों के बीच पवित्र नर्मदा केवल यहीं प्रवाहित होती है। प्राकृतिक सौंदर्य के लिए विश्वप्रसिद्ध भेड़ाघाट और धुंआधार जलप्रपात यहां की पहचान है। इसके अलावा ऐतिहासिक चौसठयोगिनी मंदिर, मदनमहल किला और वीरांगना रानी दुर्गावती की समाधि, संग्राम सागर तालाब के साथ-साथ बरगी डेम वॉटर स्पोर्ट्स और डुमना नेचर पार्क आदि दर्शनीय स्थल यहां स्थित हैं। स्वाभाविक रूप से जबलपुर टूरिस्ट हब है। इसके आसपास ही राष्ट्रीय उद्यान कान्हा, बांधवगढ़ और पेंच स्थित हैं। स्थापत्य व पुरातात्विक महत्व के खजुराहो एवं फासिल्स पार्क, धार्मिक महत्व के अमरकंटक, चित्रकूट और मैहर के साथ ही पंचमढ़ी जैसा विश्वप्रसिद्ध हिल स्टेशन जबलपुर के अत्यंत निकट स्थित है। इसके अलावा भी यहां अनेक ऐसे दर्शनीय और आकर्षण के केन्द्र हैं जो पर्यटन की दृष्टि से महत्व रखते हैं। किंतु इतना होने के बावजूद भी जबलपुर को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर वह पहचान नहीं मिल सकी है जिसका वह हकदार है। जबलपुर टूरिस्ट हब के रूप में निर्मित होकर पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र बने इसके लिए आवश्यक है कि भेड़ाघाट में म्यूजिकल फाउंटेन का निर्माण हो, मदनमहल के किले में रानी दुर्गावती पर आधारित लाइट एवं साउंड शो के साथ ही संग्राम सागर तालाब को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित किया जाए। बरगी डेम जो पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र है, में साहसिक खेल केन्द्र का निर्माण किया जाना आवश्यक है। आपके माध्यम से मेरा आग्रह है कि यहां पर्यटन के विकास के लिए केन्द्र सरकार को प्रेषित प्रस्ताव को स्वीकृत कर पर्याप्त राशि का आवंटन किया जाए ताकि पर्यटन के विकास और इफ्रास्ट्रक्चर को लाभ पहुंच सके। पर्यटन की असीम संभावनाओं के बाद भी जबलपुर का नाम दुनिया के पर्यटन नक्शे में शामिल नहीं हो पाया है। देश के पर्यटनीय महत्व के स्थानों के साथ जोड़कर इसका प्रचार किया जाए ताकि यहां देशी पर्यटकों की संख्या में इजाफा हो और विदेशी पर्यटक आसानी से पहुंच सकें।